दैनिक नगर संवाद
हम बनेंगे, आपकी आवाज़
R.N.
लखनऊ, उन्नाव, फतेहपुर, उरई, झांसी, इटावा, कुशीनगर, हाथरस, एटा, कन्नौज, बाराबंकी, आगरा में प्रसारित व कान
वर्ष : 10 अंक : 282 कानपुर , 18 अक्टूबर, रविवार 2026 पृष्ठ : 8

तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का भव्य समापन

25 हजार से अधिक लोगों की सहभागिता, 50 लाख के बीज एवं पौध सामिग्री की बिक्री

हरि ओम गुप्ता

कानपुर (नगर संवाद)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। 15 से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित इस ऐतिहासिक मेले ने आधुनिक कृषि तकनीक, वैज्ञानिक नवाचारों और किसान-उद्यमी सहभागिता का एक सशक्त मंच प्रस्तुत किया।समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ शमशेर सिंह कुलपति एचबीटीयू एवं डॉ सीमा परोहा निदेशक एनएसआई ने किसानों को आधुनिक तकनीक, कृषि विविधीकरण, बेहतर विपणन तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने हरित क्रांति



में चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के ऐतिहासिक योगदान की सराहना करते हुए कृषि वैज्ञानिकों एवं विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। विशिष्ट अतिथि डॉ जी पी दीक्षित निदेशक भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर, डॉ एस के चतुर्वेदी निदेशक शोध रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी, डॉ एन के बाजपेई निदेशक प्रसार बांदा कृषि विश्वविद्यालय, डॉ नन्द किशोर पूर्व संयुक्त निदेशक कृषि कृषि विभाग, डॉ सीमा सोनकर अधिष्ठाता गृह विज्ञान, बाबू सिंह अध्यक्ष चंद्र शेखर कृषक समिति तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने भी किसानों की समृद्धि, कृषि में नवाचार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने पर बल दिया। निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि किसान मेले की प्रमुख उपलब्धियाँ 175 से अधिक स्टॉलों के माध्यम से कृषि तकनीक, उत्पादों एवं नवाचारों का प्रदर्शन किया, लगभग ?50 लाख के विश्वविद्यालय उत्पादित बीज एवं पौध सामग्री की बिक्री। और लगभग 25 हजार लोगों की सहभागिता।ड्रोन तकनीक, स्मार्ट फार्मिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्राकृतिक एवं जैविक खेती पर विशेष प्रदर्शन।

लगभग 35 स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों एवं उद्यमों के प्रदर्शन का अवसर।

एवं उत्कृष्ट प्रतिष्ठानों, सर्वोत्तम प्रदर्शनकताओं, महिला क्लब एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता जी किसान मेले को वैज्ञानिकों, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, किसानों एवं कृषि उद्यमियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताते हुए कहा कि किसानों का विश्वविद्यालय के प्रति अटूट विश्वास इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। पुरस्कार, नवाचार और उपलब्धियों के साथ सम्पन्न यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर भारतीय कृषि के विकास, तकनीकी हस्तांतरण और किसान समृद्धि की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि किसान मेले में 50 लाख से अधिक रूपयों के बीज बिक्री हुई है। जबकि 25000 से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया है। इस अवसर पर सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं किसान उपस्थित रहे।

द बैनर 18/10/2026

सीएसए के किसान मेले में रिकॉर्ड भीड़, बीज बिक्री ने चौंकाया

25 हजार की जुटान, 50 लाख के बीजों की बिक्री



द बैनर न्यूज़

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का शनिवार को समापन हो गया। 15 से 17 अक्टूबर तक चले मेले में 25 हजार से अधिक लोगों ने सहभागिता की, जबकि विश्वविद्यालय में उत्पादित बीज और पौध सामग्री की करीब 50 लाख रुपये की बिक्री हुई। मेले में 175 से अधिक स्टालों पर कृषि तकनीक, उन्नत बीज, कृषि उत्पादों और वैज्ञानिक नवाचारों का प्रदर्शन किया गया।समापन समारोह में मुख्य अतिथि एचबीटीयू के कुलपति डॉ. शमशेर सिंह और एनएसआई की निदेशक डॉ. सीमा परोहा ने किसानों से आधुनिक तकनीक अपनाने, फसलों में विविधता लाने, बेहतर विपणन और प्राकृतिक व जैविक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने हरित क्रांति में सीएसए के योगदान की सराहना की।मेले में ड्रोन तकनीक, स्मार्ट फार्मिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कृषि में उपयोग की जानकारी दी गई। करीब 35 स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन का अवसर मिला। समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संस्थानों, महिला क्लबों और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया।भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. जीपी दीक्षित, रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ. एसके चतुर्वेदी, बांदा कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉ. एनके बाजपेई समेत कई अतिथि मौजूद रहे।सीएसए के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि किसान मेला वैज्ञानिकों, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, किसानों और कृषि उद्यमियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। किसानों का विश्वविद्यालय पर भरोसा इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। निदेशक प्रसार डॉ. वीके त्रिपाठी ने बताया कि मेले में 50 लाख रुपये से अधिक के बीज और पौध सामग्री की बिक्री हुई।

कानपुर महानगर
वर्ष : 10 पृष्ठ : 10
अंक : 225
मूल्य : 02.00/-
कानपुर 18-10-2026, रविवार

हिन्दी दैनिक
स्वतंत्र हित
सच जन जन तक

किसान मेले में उमड़ा जनसैलाब, 50 लाख रुपये के बीज और पौध सामग्री की बिक्री

स्वतंत्र हित संवाददाता



कानपुर, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर में 15 से 17 अक्टूबर तक आयोजित तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। मेले में 25 हजार से अधिक लोगों ने सहभागिता की, जबकि विश्वविद्यालय की ओर से उत्पादित बीजों और पौध सामग्री की लगभग 50 लाख रुपये की बिक्री दर्ज की गई। इस आयोजन में आधुनिक कृषि तकनीक, वैज्ञानिक नवाचार और किसान उद्यमिता को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय (एचबीटीयू) के कुलपति डॉ. शमशेर सिंह तथा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) की निदेशक डॉ. सीमा परोहा ने किसानों से आधुनिक तकनीकों को अपनाने, कृषि विविधीकरण, बेहतर विपणन व्यवस्था तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। उन्होंने हरित क्रांति में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के योगदान की सराहना करते हुए वैज्ञानिकों और विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। विशिष्ट अतिथियों में भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर के निदेशक डॉ. जीपी दीक्षित, रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के निदेशक शोध डॉ. एसके चतुर्वेदी, बांदा कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉ. एनके बाजपेई सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कृषि में नवाचार, किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने पर बल दिया। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉ. वीके त्रिपाठी ने बताया कि मेले में 175 से अधिक स्टॉल लगाए गए, जिनके माध्यम से कृषि तकनीकों, उत्पादों और नवीन प्रयोगों का प्रदर्शन किया गया। ड्रोन तकनीक, स्मार्ट फार्मिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती से संबंधित प्रदर्शनों ने किसानों का ध्यान आकर्षित किया। इसके साथ ही लगभग 35 स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों और उद्यमों को प्रदर्शित करने का अवसर मिला। मेले के दौरान उत्कृष्ट संस्थानों, बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों, महिला क्लबों और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने आयोजन को वैज्ञानिकों, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, किसानों और कृषि उद्यमियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि किसानों का विश्वविद्यालय के प्रति विश्वास उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, वैज्ञानिक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। आयोजन ने कृषि तकनीकों के प्रसार, किसान उद्यमिता और कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में विश्वविद्यालय की भूमिका को रेखांकित किया।

द बैनर 18/10/2026

सीएसए के किसान मेले में रिकॉर्ड भीड़, बीज बिक्री ने चौंकाया

25 हजार की जुटान, 50 लाख के बीजों की बिक्री



द बैनर न्यूज़

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का शनिवार को समापन हो गया। 15 से 17 अक्टूबर तक चले मेले में 25 हजार से अधिक लोगों ने सहभागिता की, जबकि विश्वविद्यालय में उत्पादित बीज और पौध सामग्री की करीब 50 लाख रुपये की बिक्री हुई। मेले में 175 से अधिक स्टालों पर कृषि तकनीक, उन्नत बीज, कृषि उत्पादों और वैज्ञानिक नवाचारों का प्रदर्शन किया गया।समापन समारोह में मुख्य अतिथि एचबीटीयू के कुलपति डॉ. शमशेर सिंह और एनएसआई की निदेशक डॉ. सीमा परोहा ने किसानों से आधुनिक तकनीक अपनाने, फसलों में विविधता लाने, बेहतर विपणन और प्राकृतिक व जैविक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने हरित क्रांति में सीएसए के योगदान की सराहना की।मेले में ड्रोन तकनीक, स्मार्ट फार्मिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कृषि में उपयोग की जानकारी दी गई। करीब 35 स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन का अवसर मिला। समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संस्थानों, महिला क्लबों और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया।भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. जीपी दीक्षित, रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ. एसके चतुर्वेदी, बांदा कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉ. एनके बाजपेई समेत कई अतिथि मौजूद रहे।सीएसए के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि किसान मेला वैज्ञानिकों, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, किसानों और कृषि उद्यमियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। किसानों का विश्वविद्यालय पर भरोसा इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। निदेशक प्रसार डॉ. वीके त्रिपाठी ने बताया कि मेले में 50 लाख रुपये से अधिक के बीज और पौध सामग्री की बिक्री हुई।

घटेगी मेहनत, बैटरी वीडर करेगा खरपतवार साफ

किसान मेले में दिखे आकर्षक यंत्र

- मेले में इटावा के कृषि इंजीनियरिंग कालेज ने किया प्रदर्शन, दो बैटरियों से चलेगी मशीन
- कतारों के बीच खरपतवार निकालना होगा आसान, हैंडल एडजस्ट करने की सुविधा

जागरण संवाददाता, कानपुर : खेतों में खरपतवार निकालने के लिए किसानों को अब ज्यादा समय और शारीरिक मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में आयोजित किसान मेले में बैटरी चालित वीडर का प्रदर्शन किया जा रहा है। करीब 17 हजार रुपये की यह मशीन फसलों की कतारों के बीच खरपतवार निकालने में मदद करती है। दो बैटरियों से चलने वाली मशीन से निराई का काम आसान हो सकता है। इटावा स्थित कालेज आफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के एसोसिएट प्रो. तरुण माहेश्वरी किसानों को मशीन की कार्यप्रणाली और खूबियों की जानकारी दे रहे हैं।

ऐसे काम करता है बैटरी वीडर : मशीन में 12-12 वोल्ट की दो बैटरियां, मोटर, चेन ड्राइव और ब्लेड लगे हैं। बैटरी से मोटर चलती है, जिससे ब्लेड फसलों की कतारों के बीच खरपतवार निकालता है। दोनों बैटरियों की मदद से मशीन करीब दो घंटे तक काम कर सकती है। इससे हाथ से निराई करने में लगने वाला समय और श्रम कम करने में मदद मिल सकती है। एसोसिएट प्रोफेसर तरुण माहेश्वरी के अनुसार, यह वीडर उन फसलों के लिए उपयोगी है, जिनकी कतारों के बीच करीब 20 से 25 सेंटीमीटर की दूरी होती है। मशीन से लगभग तीन से पांच सेंटीमीटर के खरपतवार निकालने में मदद मिलती है। हालांकि, इसका प्रदर्शन मिट्टी और खरपतवार की स्थिति पर भी निर्भर करता है।



सीएसए किसान मेले में प्रदर्शित बैटरी चालित वीडर ● जागरण

मशीन में निराई की गहराई घटाने-बढ़ाने की सुविधा है। किसान खेत और फसल की जरूरत के अनुसार हैंडल को भी एडजस्ट कर सकते हैं। इससे कतारों के बीच काम करना सुविधाजनक हो सकता है। ब्लेड की बनावट मिट्टी चिपकने की समस्या कम करने में सहायक है।

किसान मेले में बिके 50 लाख के बीज व पौधे

जागरण संवाददाता, कानपुर : चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में आयोजित तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का शनिवार को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ समापन हो गया। 15 से 17 अक्टूबर तक चले इस मेले में 25 हजार से अधिक किसानों, कृषि उद्यमियों और आम लोगों ने भाग लिया। मेले के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा उत्पादित बीज एवं पौध सामग्री की 50 लाख रुपये से अधिक की बिक्री हुई।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि एचबीटीयू के कुलपति डा. शमशेर सिंह और राष्ट्रीय शर्करा संस्थान-एनएसआइ की निदेशक डा. सीमा परोहा ने किसानों से आधुनिक तकनीक, कृषि विविधीकरण, बेहतर विपणन तथा प्राकृतिक और जैविक खेती अपनाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथियों में भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा.जीपी दीक्षित, रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डा.एसके चतुर्वेदी, बांदा कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डा.एनके बाजपेई सहित कई कृषि विशेषज्ञ शामिल रहे। निदेशक प्रसार डा.वीके त्रिपाठी ने बताया कि मेले में 175 से अधिक स्टाल लगे, जहां आधुनिक कृषि तकनीक, ड्रोन, स्मार्ट फार्मिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्राकृतिक एवं जैविक खेती से जुड़े नवाचारों दिखे। 35 स्वयं सहायता समूहों को भी उत्पाद प्रदर्शित हुए। कुलपति डा. संजीव गुप्ता ने किसान हित में आगे भी प्रयास जारी रखने की बात कही।

इंजीनियर दंपती ने जैविक खेती से बनाई पहचान





खेतों में उगाई गई लौकी और जैविक मटर ● जागरण

जागरण संवाददाता, कानपुर : इंजीनियरिंग की पढ़ाई और कारपोरेट करियर छोड़कर रश्मि सचान और अंकुर सचान ने प्राकृतिक खेती का माडल तैयार किया है। घाटमपुर के चतुरी पुरवा गांव में 5.5 एकड़ में विकसित उनका तुही फार्म्स एग्रोफारेस्ट्री का उदाहरण है। वर्ष 2021 में योजना बनी और 2022 से खेती शुरू हुई। यहां 30 से अधिक किस्मों के पौधों के बीच हल्दी, सरसों, अरहर, मूंग, उड़द और चने की खेती होती है। रश्मि के अनुसार,



इंजीनियर दंपती रश्मि सचान और अंकुर सचान ● जागरण

एक बीघे में हल्दी से करीब 18 क्विंटल उत्पादन और डेढ़ लाख रुपये का लाभ मिलता है। तीन एकड़ में सरसों से 21 क्विंटल उत्पादन होता है। तेल समेत उत्पादों की पैकेजिंग व बिक्री स्वयं करते हैं।

बिना फ्रिज छह माह सुरक्षित रहेगा मछली का अचार

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के किसान मेले में मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, इटावा के विद्यार्थियों ने मछली पालन की आधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन किया। सामान्य तापमान पर बिना फ्रिज छह महीने सुरक्षित रहने वाले मछली के अचार की तकनीक आकर्षण रही।महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. अजीत सिंह ने बताया कि नमी निकालकर स्थानीय मसालों से मछली का प्रसंस्करण किया जाता है। इससे पालकों को अतिरिक्त आय मिलती है। स्टाल पर एक्वापानिक्स, इंटीग्रेटेड फार्मिंग, मत्स्य बीज उत्पादन और तालाब प्रबंधन के माडल भी प्रदर्शित किए गए। एक्वापानिक्स में मछलियों के अपशिष्टयुक्त पानी से सब्जियां उगाने की जानकारी दी गई। इंटीग्रेटेड फार्मिंग से मछली, दूध, अंडे और फसल एक साथ प्राप्त करने का तरीका बताया गया।

तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का भव्य समापन- 25 हजार से अधिक लोगों की सहभागिता, ? 50 लाख के बीज एवं पौध सामिग्री की बिक्री

रहस्य संदेश ब्यूरो

कानपुर = चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। 15 से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित इस ऐतिहासिक मेले ने आधुनिक कृषि तकनीक,वैज्ञानिक नवाचारों और किसान-उद्यमी सहभागिता का एक सशक्त मंच प्रस्तुत किया।समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ शमशेर सिंह कुलपति एचबीटीयू एवं डॉ सीमा परोहा निदेशक एनएसआई ने किसानों को आधुनिक तकनीक, कृषि विविधीकरण, बेहतर विपणन तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने हरित क्रांति में चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के ऐतिहासिक योगदान की सराहना करते हुए कृषि वैज्ञानिकों एवं विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। विशिष्ट अतिथि डॉ जी पी दीक्षित निदेशक भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर, डॉ एस के चतुर्वेदी निदेशक शोध रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी, डॉ एन के बाजपेई निदेशक प्रसार बांदा कृषि विश्वविद्यालय, डॉ



नन्द किशोर पूर्व संयुक्त निदेशक कृषि कृषि विभाग, डॉ सीमा सोनकर अधिष्ठाता गृह विज्ञान, बाबू सिंह अध्यक्ष चंद्र शेखर कृषक समिति तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने भी किसानों की समृद्धि, कृषि में नवाचार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने पर बल दिया। निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि किसान मेले की प्रमुख उपलब्धियाँ 175 से अधिक स्टॉलों के माध्यम से कृषि तकनीक, उत्पादों एवं नवाचारों का प्रदर्शन किया, लगभग ?50 लाख के विश्वविद्यालय उत्पादित बीज एवं पौध सामग्री की बिक्री। और लगभग 25 हजार लोगों की सहभागिता।ड्रोन तकनीक, स्मार्ट फार्मिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्राकृतिक एवं जैविक खेती पर विशेष प्रदर्शन। लगभग 35 स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों एवं उद्यमों के प्रदर्शन का अवसर। एवं उत्कृष्ट प्रतिष्ठानों, सर्वोत्तम प्रदर्शनकर्ताओं, महिला क्लब एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता जी किसान मेले को वैज्ञानिकों, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, किसानों एवं कृषि उद्यमियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताते हुए कहा कि किसानों का विश्वविद्यालय के प्रति अटूट विश्वास इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। पुरस्कार, नवाचार और उपलब्धियों के साथ सम्पन्न यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर भारतीय कृषि के विकास, तकनीकी हस्तांतरण और किसान समृद्धि की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि किसान मेले में 50 लाख से अधिक रूपयों के बीज बिक्री हुई है। जबकि 25000 से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया है। इस अवसर पर सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं किसान उपस्थित रहे।

सत्य का असर समाचार पत्र

संपादक: जितेंद्र सिंह पटेल • मोब.: 9956 834016 • कानपुर • रविवार, 18 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 01 • वर्ष 12 • अंक 289

तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का भव्य समापन: 25 हजार लोगों की सहभागिता, 50 लाख के बीज बिके

CSA कानपुर में 175 स्टॉल, ड्रोन-स्मार्ट फार्मिंग और प्राकृतिक खेती का प्रदर्शन

कानपुर (संवाददाता) जितेंद्र कुमार सिंह पटेल •

CSA कानपुर परिसर में आयोजित तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का रविवार को भव्य समापन हो गया। आठ राज्यों के 25 हजर से अधिक किसानों, कृषि उद्यमियों और शोधकर्ताओं ने मेले में भागीदारी कर इसे सफल बना। मेले के दौरान लगभग 50 लाख रुपये के उन्नत बीज, जैविक खाद, ड्रोन उपकरण और प्राकृतिक खेती प्राकृतिक - उत्पादों की बिक्री दर्ज की गई।
बरगतक सत्यासनो ला मे ड्रोर वा नकी नदा दोन मेमीदों वों मिली र्वा गई।

मेले में 175 स्टॉल लगाए गए, जहाँ ड्रोन-स्मार्ट फार्मिंग, मृदा परीक्षण, जैविक खेती, मोटे अनाज प्रसंस्करण और नई कृषि तकनीकों का लाइव प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहा। किसानों ने कृषि विशेषज्ञों से सीधे संवाद कर खेती में लागत कम करने व उत्पादन बढ़ाने के आधुनिक तरीकों की जानकारी ली।
लव्वि नौ न्नाद गेनग दक्का त्तावे मेम म्नेन दी खार्भ जादो त्त गौर जानवराग सीखे की जानकला लो गेय।

मुख्य अतिथियों ने दी सफलता की बधाई -

समापन समारोह में कृषि वैज्ञानिकों, सरकारी अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने मेले की सफलता पर प्रसन्नता जताते हुए किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। आयोजकों ने कहा कि मेले का मुख्य उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाना और सतत कृषि को बढ़ावा देना रहा।



समापन समारोह में प्रतिभागियों को सम्मानित करते अतिथि, CSA कानपुर में आयोजित कार्यक्रम की झलक



मेले में बड़ी संख्या में जुटे किसान और कृषि विशेषज्ञ, कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक हुए शामिल



दीप प्रज्वलन कर समापन समारोह को संबोधित करते मुख्य अतिथि एवं अधिकारीगण

दैनिक नगर संवाद
हम बनेंगे, आपकी आवाज़
R.N.
लखनऊ, उन्नाव, फतेहपुर, उरई, झांसी, इटावा, कुशीनगर, हाथरस, एटा, कन्नौज, बाराबंकी, आगरा में प्रसारित व कान
वर्ष : 10 अंक : 282 कानपुर , 18 अक्टूबर, रविवार 2026 पृष्ठ : 8

तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का भव्य समापन

25 हजार से अधिक लोगों की सहभागिता, 50 लाख के बीज एवं पौध सामिग्री की बिक्री

हरि ओम गुप्ता

कानपुर (नगर संवाद)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। 15 से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित इस ऐतिहासिक मेले ने आधुनिक कृषि तकनीक, वैज्ञानिक नवाचारों और किसान-उद्यमी सहभागिता का एक सशक्त मंच प्रस्तुत किया।समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ शमशेर सिंह कुलपति एचबीटीयू एवं डॉ सीमा परोहा निदेशक एनएसआई ने किसानों को आधुनिक तकनीक, कृषि विविधीकरण, बेहतर विपणन तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने हरित क्रांति



में चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के ऐतिहासिक योगदान की सराहना करते हुए कृषि वैज्ञानिकों एवं विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। विशिष्ट अतिथि डॉ जी पी दीक्षित निदेशक भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर, डॉ एस के चतुर्वेदी निदेशक शोध रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी, डॉ एन के बाजपेई निदेशक प्रसार बांदा कृषि विश्वविद्यालय, डॉ नन्द किशोर पूर्व संयुक्त निदेशक कृषि कृषि विभाग, डॉ सीमा सोनकर अधिष्ठाता गृह विज्ञान, बाबू सिंह अध्यक्ष चंद्र शेखर कृषक समिति तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने भी किसानों की समृद्धि, कृषि में नवाचार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने पर बल दिया। निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि किसान मेले की प्रमुख उपलब्धियाँ 175 से अधिक स्टॉलों के माध्यम से कृषि तकनीक, उत्पादों एवं नवाचारों का प्रदर्शन किया, लगभग ?50 लाख के विश्वविद्यालय उत्पादित बीज एवं पौध सामग्री की बिक्री। और लगभग 25 हजार लोगों की सहभागिता।ड्रोन तकनीक, स्मार्ट फार्मिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्राकृतिक एवं जैविक खेती पर विशेष प्रदर्शन।

लगभग 35 स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों एवं उद्यमों के प्रदर्शन का अवसर।

एवं उत्कृष्ट प्रतिष्ठानों, सर्वोत्तम प्रदर्शनकताओं, महिला क्लब एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता जी किसान मेले को वैज्ञानिकों, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, किसानों एवं कृषि उद्यमियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताते हुए कहा कि किसानों का विश्वविद्यालय के प्रति अटूट विश्वास इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। पुरस्कार, नवाचार और उपलब्धियों के साथ सम्पन्न यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर भारतीय कृषि के विकास, तकनीकी हस्तांतरण और किसान समृद्धि की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि किसान मेले में 50 लाख से अधिक रूपयों के बीज बिक्री हुई है। जबकि 25000 से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया है। इस अवसर पर सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं किसान उपस्थित रहे।